1

ग्राम विकास में विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका

प्रो. डॉ. राजेंद्र सिंह प्रो. डॉ. रीना सिंह

DOI: https://doi.org/10.65651/NP.978-93-5857-988-8.2025.11-20
ISBN: 978-93-5857-988-8

सार

यह लेख ग्राम विकास में विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका का विश्लेषण करता है। ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख चुनौतियाँ जैसे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक सीमित पहुँच के समाधान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी युवा संगठन शिक्षा, जागरूकता, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाते हैं। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र संगठन और "मेरा युवा भारत" जैसे कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्र निर्माण, ग्राम स्वराज और सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रभावी योगदान के अवसर प्रदान करते हैं। यह अध्ययन दर्शाता है कि ऊर्जा, उत्साह और नवाचार से परिपूर्ण विद्यार्थी युवा संगठन न केवल ग्राम विकास को गति दे सकते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर, समावेशी और सशक्त भारत के निर्माण में भी आधारस्तंभ बन सकते हैं।

मुख्य शब्द: ग्राम विकास, कौशल विकास, ग्राम स्वराज, स्वयंसेवी संगठन, सतत् विकास लक्ष्य

प्रस्तावना

ग्राम विकास में विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। ये संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक और पर्यावरणीय विकास में सक्रिय रूप से योगदान कर सकते हैं। युवा स्वयंसेवकों की ऊर्जा, उत्साह और नवीन विचारों (नवाचार) का उपयोग ग्रामीण समुदायों को सशक्त, समृद्ध बनाने, विकास की प्रक्रिया को बढ़ावा देने और स्थायी परिवर्तन लाने के लिए किया जा सकता है। विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी के बिना

ग्रामीण विकास की कल्पना करना मुश्किल है। उनकी ऊर्जा, उत्साह और नवीन विचारों से ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। युवाओं को ग्रामीण विकास में शामिल करने के लिए, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रमों में स्वयंसेवी कार्यक्रमों को एकीकृत करना चाहिए और छात्रों को सामुदायिक सेवा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया का उपयोग करके युवा स्वयं सेवकों को अवसरों और संगठनों से जुड़ने में मदद की जा सकती है।

हालांकि नई शिक्षा नीति 2020 में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, कला और गणित (STEAM) की अवधारणा के प्रभाव को महसूस किया जा सकता है, जो कि बहु- उद्देशीय, बहु- विकासीय शिक्षण पद्धतियां प्रयोग करने को उद्धृत है।

युवा की परिभाषा

संयुक्त राष्ट्र युवा को 15 से 24 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करता है। हालांकि, यह परिभाषा अलग-अलग संदर्भों में बदल सकती है, जैसे कि जनसांख्यिकीय, वित्तीय, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक परिपेक्ष में। युवा वह व्यक्ति होता है जो बचपन और वयस्कता के बीच की अवस्था में होता है। आमतौर पर, युवा 15 से 29 वर्ष की आयु के बीच के लोगों को माना जाता है। युवा परिवर्तन, प्रगति और भविष्य का पर्याय है।

युवा का परिवार और समाज से लगाव

युवा परिवार और समाज के महत्वपूर्ण सदस्य होते हैं। युवा परिवार के सदस्यों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। वे अपने परिवार और समाज के लिए एक संपत्ति होते हैं, और उनके योगदान को मान्यता दी जानी चाहिए। युवा की कोई एक सर्वमान्य परिभाषा नहीं है, लेकिन इसे आमतौर पर 15 से 24 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है, विशेष रूप से सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा. "युवा" शब्द जीवन के उस चरण को भी संदर्भित करता है जो बचपन और वयस्कता के बीच होता है, और इसमें युवावस्था (शारीरिक परिवर्तन) और किशोरावस्था (मनोसामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन) दोनों शामिल हो सकते हैं।

ग्राम विकास की चुनौतियाँ

ग्राम विकास अनेक जटिल चुनौतियों से घिरा हुआ है, जिनमें बुनियादी ढांचे की कमी, गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच, तथा कृषि उत्पादन में गिरावट प्रमुख हैं। इसके साथ ही सामाजिक असमानताएं, भेदभाव, लैंगिक उत्पीड़न, पर्यावरणीय क्षरण, जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद एवं शासन संबंधी समस्याएं भी ग्रामीण विकास की गति को प्रभावित करती हैं। ग्रामीण

क्षेत्रों में सड़कों, बिजली, पानी एवं संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव विकास के अवसरों को सीमित करता है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित है, तथापि अपर्याप्त सिंचाई, पुरानी कृषि पद्धतियों एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से कृषि संकट गहराता जा रहा है। गरीबी एवं बेरोजगारी की समस्या इतनी गंभीर है कि अनेक ग्रामीण परिवार अपनी बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करने में असमर्थ रहते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं एवं शिक्षा तक सीमित पहुंच के कारण ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य, जागरूकता तथा जीवन स्तर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त जाति एवं लिंग आधारित भेदभाव के चलते समाज के कुछ वर्ग विकास की मुख्यधारा से बाहर रह जाते हैं। वनों की कटाई, मिट्टी का क्षरण एवं जल प्रदूषण जैसी पर्यावरणीय समस्याएं भी ग्रामीण आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। शासन व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार, अक्षमता तथा राजनीतिक अस्थिरता ग्रामीण विकास को और जटिल बनाती है। वहीं, कौशल विकास कार्यक्रमों की कमी के कारण ग्रामीण युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते, जिससे वे बेहतर आजीविका की तलाश में शहरों की ओर पलायन करते हैं तथा इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय असंतुलन उत्पन्न होता है।

इन सभी चुनौतियों का समाधान तभी संभव है जब सरकार, स्थानीय समुदायों एवं अन्य हितधारक मिलकर समन्वित प्रयास करें। सतत् विकास योजनाओं, सामुदायिक भागीदारी एवं समावेशी नीतियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र, न्यायसंगत तथा स्थायी विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका के विभिन्न क्षेत्र

* **जागरूकता और शिक्षा:** विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, बालिका शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता फैला सकते हैं। वे शैक्षिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को शिक्षित कर सकते हैं।

* **कौशल विकास:** विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठन ग्रामीण युवाओं को विभिन्न कौशल जैसे कि कृषि, हस्तशिल्प, कंप्यूटर कौशल, और उद्यमिता में प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं। इससे युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त करने और अपनी आजीविका में सुधार करने में मदद मिलेगी।

* **सामुदायिक विकास:** विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठन ग्रामीण समुदायों को संगठित करने, सामुदायिक परियोजनाओं को शुरू करने और स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके विकास

को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे सामुदायिक सभाओं, बैठकों और कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से लोगों को एक साथ ला सकते हैं।

* **पर्यावरण संरक्षण:** विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठन वृक्षारोपण, जल संरक्षण, और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे पर्यावरणीय पहलों में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। वे पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैला सकते हैं और समुदायों को टिकाऊ उपायो को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

* **आपदा प्रबंधन:** विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठन आपदाओं के दौरान राहत और पुनर्वास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे प्रभावित लोगों को भोजन, पानी, आश्रय और चिकित्सा सहायता प्रदान कर सकते हैं।

* **सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन:** विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठन सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को ग्रामीण क्षेत्रों में लागू करने में सहायता कर सकते हैं। वे लोगों को योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं और उनके लाभों तक पहुंचने में उनकी मदद कर सकते हैं।

विभिन्न विद्यार्थी युवा संगठन और उनकी भूमिका

राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थी और युवा संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। ये संगठन युवाओं को संगठित करके, उन्हें विभिन्न सामाजिक और राष्ट्रीय गतिविधियों में शामिल करके राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दे सकते हैं।

1. भारत स्काउट्स और गाइड्स (बीएसजी) आंदोलन

भारत में भारत स्काउट्स और गाइड्स (बीएसजी) आंदोलन का उद्देश्य युवाओं की शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षमता को बढ़ावा देकर उन्हें जिम्मेदार, सक्रिय नागरिक के रूप में विकसित करना है । यह चरित्र निर्माण, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व कौशल पर केंद्रित गतिविधियों और सिद्धांतों की एक श्रृंखला के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

उद्देश्य

युवा सशक्तिकरण: इस आंदोलन का उद्देश्य युवाओं को सक्रिय और प्रतिबद्ध नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाना है।

चरित्र विकास: इसका उद्देश्य ईमानदारी, निष्ठा और दृढ़ता सहित आजीवन मूल्यों और कौशलों को विकसित करना है।

सामाजिक जिम्मेदारी: यह युवाओं को सामुदायिक विकास में भाग लेने और समाज में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

शांति शिक्षा: यह आंदोलन शांति शिक्षा पर जोर देता है और दूसरों के प्रति समझ, सहयोग और सम्मान को बढ़ावा देता है।

व्यक्तिगत विकास: यह व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से तथा स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदायों के सदस्य के रूप में अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुंचने में सहायता करता है।

मूल उद्देश्य: ईश्वर के प्रति कर्तव्य: आध्यात्मिक सिद्धांतों का पालन और अपने धर्म के प्रति निष्ठा।

दूसरों के प्रति कर्तव्य: अपने देश के प्रति निष्ठा, समाज के विकास में भागीदारी और दूसरों के प्रति सम्मान।

स्वयं के प्रति कर्तव्य: व्यक्तिगत विकास और आत्मनिर्भरता की जिम्मेदारी।

करके सीखना: कैम्पिंग, लंबी पैदल यात्रा और सामुदायिक सेवा जैसी गतिविधियों के माध्यम से सीखने का एक व्यावहारिक दृष्टिकोण।

नेतृत्व कौशल का विकास: टीमवर्क और समस्या समाधान के माध्यम से युवाओं को प्रभावी नेता बनने के लिए प्रशिक्षित करना।

शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना: बाहरी गतिविधियों और खेलों के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना।

सामुदायिक भागीदारी: पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा जैसी सामुदायिक लाभ वाली गतिविधियों में संलग्न होना।

व्यावसायिक कौशल: आत्मनिर्भरता और भविष्य के करियर के लिए कौशल विकसित करने के अवसर प्रदान करना।

2. **राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस):** यह एक सरकारी पहल है जो छात्रों को स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रोत्साहित करती है। भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का प्राथमिक उद्देश्य सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्र युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना है। एनएसएस का उद्देश्य सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना, नेतृत्व गुणों का विकास करना और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना भी है।

मूल उद्देश्य: व्यक्तित्व विकास: एनएसएस का उद्देश्य छात्रों को सामुदायिक सेवा में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उनके समग्र व्यक्तित्व और चरित्र को विकसित करने में मदद करना है।

सामुदायिक सहभागिता: इसका उद्देश्य परिसर और समुदाय के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देना तथा छात्रों को स्थानीय आवश्यकताओं को समझने और उनका समाधान करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

सामाजिक जिम्मेदारी: एनएसएस युवा व्यक्तियों में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करने का प्रयास करता है, तथा उन्हें सक्रिय और समर्पित नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करता है।

राष्ट्रीय एकीकरण: इस कार्यक्रम का उद्देश्य विविध पृष्ठभूमि के छात्रों को एक साथ लाकर और उन्हें मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करके राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना है।

उद्देश्य: समुदाय को समझना: एनएसएस स्वयंसेवकों को उस समुदाय को समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिसमें वे काम करते हैं, उसकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझते हैं।

नेतृत्व और लोकतांत्रिक मूल्य: यह कार्यक्रम छात्रों को समूह गतिविधियों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भागीदारी के माध्यम से नेतृत्व गुणों और लोकतांत्रिक मूल्यों को विकसित करने में मदद करता है।

आपातकालीन प्रबंधन: एनएसएस का उद्देश्य छात्रों को आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तैयार करना भी है।

3. राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

भारत में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का उद्देश्य भारतीय युवाओं में चरित्र, भाईचारा, अनुशासन, नेतृत्व और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों का विकास करना है, तथा उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य की नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए तैयार करना है। यह युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने हेतु उपयुक्त वातावरण भी प्रदान करता है।

एनसीसी के उद्देश्य

चरित्र और भाईचारा विकसित करना: एनसीसी का ध्यान मजबूत चरित्र निर्माण, सौहार्द को बढ़ावा देने तथा कैडेटों के बीच एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करना: इसका उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और पहल करने की क्षमता विकसित करना है।

धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को बढ़ावा देना: एनसीसी धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है तथा विभिन्न धर्मों और पृष्ठभूमियों के लोगों के बीच सहिष्णुता और समझ को बढ़ावा देती है।

साहसिकता की भावना को बढ़ावा: एनसीसी साहस की भावना और चुनौतियों का सामना करने की इच्छा पैदा करता है, तथा शारीरिक और मानसिक दृढ़ता को प्रोत्साहित करता है।

निःस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देना: एनसीसी राष्ट्र और समाज के प्रति निःस्वार्थ सेवा के महत्व पर जोर देती है तथा कैडेटों को अपने समुदायों की बेहतरी में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

सशस्त्र बलों के लिए तैयारी: यह युवाओं को सैन्य जीवन और प्रशिक्षण की झलक प्रदान करके भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने और तैयार करने हेतु एक मंच प्रदान करता है।

सशक्त मानव संसाधन का निर्माण: एनसीसी का उद्देश्य संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक समूह तैयार करना है जो विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकर्ता के रूप में कार्य कर सकें।

4. नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस): यह ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने और नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के व्यक्तित्व और नेतृत्व गुणों का विकास करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में शामिल करना है। यह साक्षरता, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक मुद्दे, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, कौशल विकास और स्वरोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों पर केंद्रित है। एनवाईकेएस का उद्देश्य अच्छी नागरिकता, धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को विकसित करना और सामाजिक विकास के लिए स्वैच्छिक प्रयासों को बढ़ावा देना भी है।

विशिष्ट गतिविधियाँ: गांवों में युवा क्लबों का आयोजन करना। विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दों पर जागरूकता अभियान चलाना। व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करना। सामुदायिक विकास परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाना। खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन। स्वच्छता एवं सफाई को बढ़ावा देना। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना। आपदा की तैयारी और प्रतिक्रिया को सुविधाजनक बनाना। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

5. मेरा युवा भारत (MY Bharat): मेरा युवा भारत एक अभिनव डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जिसका उद्देश्य देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें विभिन्न स्वयंसेवी अवसरों से अवगत कराना है। यह पहल युवाओं को कौशल विकास, सामुदायिक सेवा, और जनकल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती है। प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से युवा न केवल अपने क्षेत्रीय या राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध स्वयंसेवी अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार परियोजनाओं से जुड़कर योगदान भी दे सकते हैं। इस प्रकार, मेरा युवा भारत एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करता है, जो युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा को देश के सतत् विकास और सामाजिक परिवर्तन के प्रयासों से जोड़ता है(मेरा युवा भारत, 2025)।

6. अन्य क्षेत्रीय और स्थानीय संगठन: इसके अलावा, कई अन्य क्षेत्रीय और स्थानीय संगठन भी हैं जो युवाओं को संगठित करके शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और सामाजिक सुधार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हैं।

ग्राम विकास, स्वराज और राष्ट्र निर्माण तक युवा

ग्राम स्वराज: ग्राम स्वराज, महात्मा गांधी द्वारा गढ़ा गया एक शब्द है, जिसका अर्थ है "स्वतंत्र गांव"। यह अवधारणा प्रत्येक गांव को एक आत्मनिर्भर इकाई के रूप में देखती है, जहां सभी आवश्यक सुविधाएं और व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। ग्राम स्वराज का लक्ष्य ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना और उन्हें अपने विकास के लिए निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

ग्राम विकास, स्वराज और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। युवा, ग्राम विकास की योजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेकर, स्थानीय स्वशासन को मजबूत करके और सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) जैसी योजनाएं युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें ग्रामीण विकास में शामिल करने के लिए कई अवसर प्रदान करती हैं। इस संदर्भ में, युवाओं की भागीदारी को निम्नलिखित रूपों में देखा जा सकता है—

* **सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता:** विद्यार्थी युवा संगठन सामाजिक कुरीतियों, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, और अशिक्षा के खिलाफ जागरूकता फैलाते हैं और समाधान खोजने में मदद करते हैं।

* **कौशल विकास:** ये संगठन युवाओं को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जैसे कंप्यूटर साक्षरता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, और वित्तीय प्रबंधन, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

* **नेतृत्व विकास:** विद्यार्थी युवा संगठन युवाओं को नेतृत्व के गुण विकसित करने और उन्हें सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

* **सामुदायिक विकास:** ये संगठन सामुदायिक विकास परियोजनाओं में शामिल होते हैं, जैसे स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम।

* **राष्ट्रवादी विचारधारा को बढ़ावा:** कुछ विद्यार्थी युवा संगठन राष्ट्रवादी विचारधारा को बढ़ावा देते हैं और युवाओं को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराते हैं।

* **सक्रिय भागीदारी:** युवा ग्राम विकास योजनाओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं, जैसे कि ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) तैयार करना और कार्यान्वित करना।

* **स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना:** युवा निर्वाचित प्रतिनिधि बनकर या विभिन्न ग्राम पंचायत समितियों में शामिल होकर स्थानीय स्वशासन को मजबूत कर सकते हैं।

* **सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना:** युवा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम करके सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं।

* **डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना:** युवा, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देकर और ई-ग्राम स्वराज जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग करके ग्रामीण क्षेत्रों में शासन को अधिक पारदर्शी और कुशल बना सकते हैं।

* **नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना:** युवा, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को गति दे सकते हैं।

* **राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान:** यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाना और उन्हें स्थानीय स्वशासन और आर्थिक विकास के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करना है। यह योजना पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण पर जोर देती है, ताकि वे सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में प्रभावी ढंग से काम कर सकें। आरजीएसए के तहत, पंचायतों को बुनियादी प्रशिक्षण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं, और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, और स्वच्छता जैसे विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

निष्कर्ष

विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठन ग्राम विकास और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में योगदान देकर ग्रामीण समाज को सशक्त बनाते हैं। भारत स्काउट्स और गाइड्स, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, नेहरू युवा केंद्र संगठन और "मेरा युवा भारत" (MY Bharat) जैसे कार्यक्रम युवाओं को संगठित कर ग्राम स्वराज और सतत् विकास की दिशा में प्रेरित करते हैं।

ग्राम सभा और पंचायतों के साथ मिलकर कार्य करते हुए ये संगठन स्थानीय समस्याओं के समाधान, लोकतांत्रिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हैं। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास के साथ जुड़कर वे नवाचार और उद्यमिता को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस प्रकार, विद्यार्थी युवा स्वयंसेवी संगठन केवल सेवा तक सीमित न रहकर ग्रामीण समाज को प्रगतिशील बनाने और सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

संदर्भ

- मौर्य, अर्जुन कुमार एवं शुक्ल, जय शंकर (2022). *ग्रामीण विकास में कौशल विकास की भूमिका एवं अपेक्षाओं का अध्ययन.* https: //ijrrssonline.in/HTMLPaper.aspx?Journal=International+Journal+of+Reviews+and+Research+in+Social+Sciences%3BPID%3D2022-10-4-2
- मेरा युवा भारत (2025). मेरा युवा भारत, https://mybharat.gov.in/
- जोशी, राजेंद्र कुमार. (n.d.). *स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका.* रोजगार समाचार, Retrieved from https: //rojgarsamachar.gov.in/Editorial-for-issue-No-9%28Hindi%29.pdf
- रेन, जे., एवं अन्य. (2024). *ग्रामीण समुदायों में सकारात्मक युवा विकास को बढ़ावा देना. National Institutes of Health.* Retrieved from https://pmc.ncbi.nlm.nih.gov/articles/PMC11414932/
- सिंह, राजेन्द्र. (n.d.). *सोशलॉजी फॉर हेल्थ प्रोफेशनल्स.* [पुस्तक]।
- साइंस डायरेक्ट. (n.d.). *उच्च शिक्षा के विकास में युवा संगठन की भूमिका.* https://www.sciencedirect.com से लिया गया।
- वर्मा (n.d.). *इंट्रोडक्शन टू एप्लाइड सोशियोलॉजी.* [पुस्तक]।